https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

कभी कभार होने वाले वास्कुलटिकि बीमारयिां

के संस्करण 2016

7. दमिाग की प्राइमरी अंजटिसि

7.1यह क्या है?

दमिाग की प्राइमरी अंजटिसि (पर्िऐ सी न स) बच्चों की दमिाग की बीमारी है जो दमिाग़ की छोटी और मध्यम श्रेणी की रक्त धमनयिों को प्रभावति करती है। उसका कारण पता नहीं है पर कुछ बच्चो में पहले खसरा हुआ होता है। इससे लगता है कर्िशायद संक्रमण से इसकी प्रक्रयिा शुरू होती है।

7.2 क्या यह सामान्य है?

यह बहुत दुर्लभ बीमारी है।

7.3 इसके क्या प्रमुख लक्षण हैं?

इसकी शुरआत अचानक एक अंग के हलिने या कमजोरी (अधरंग) से ,मरिगी के दौरों या गंभीर सरिदर्द से हो सकती है। कभी कभी दमिाग के कई हसि्सों में प्रभाव के कारण व्यवहार में परविर्तन भी इसके शुरआती लक्षण हो सकते है। अधकितर बुखार और खून की जाँच में प्रवजलन के लक्षण नहीं होते है।

7.4 इसका नरिकि्षण कैसे कयिा जाता है?

खून की जाँच व दमिाग के पानी की जाँच दूसरी दमिाग की बमिारआिे जैसे संक्रमण, खून जमने के कारण होने वाली बीमारी को नकारने में सहायक होते हैं। दमिाग और रीड की हड्डी के एक्सरे ही इसके प्रमुख जाँचे हैं। मैग्नेटकि रेजोनेंस एंजयिोग्राफी (म र अ) या एंजयिोग्राफी (एक्सरे) से मध्यम या बड़ी नसों में प्रभाव को देखा जाता है। जाचों को बार बार कर बीमारी की प्रगतर्िको देखा जाता है। यदर्िबच्चे में नस में प्रभाव नहीं दीखता है तो यह सोचा जाना चाहएि की छोटी नसे प्रभावति हैं। उसको दमिाग की बीओप्सी कर पता कयिा जा सकता है।

7.5 क्या इलाज्ञ है?

खसरे के बाद होने वाली बीमारी में थोड़े दौरान(३माह) के लिए स्टेरॉयड देना से बीमारी रुक जाती है। यदि उचित हो तो वायरस के ऊपर काम करने वाली दवा भी दी जाती है (एकीक्लोवीर)। यह स्टेरॉयड उन्हीं को दिए जाते है जिनकी बीमारी एंजियोग्राफी में पायी जाती है पर ज्यादा बढ़ती नहीं है ।यदि बीमारी बढ़ती है तो (जैसे दिमाग में कते बढ़ना), दिमाग में खराबी आने को रोकने के लिए इम्यून सिस्टम को दबाने वाली दवाओं से सघन इलाज़ करना पढ़ता है। बीमारी की शुरआत में सिक्लोफोस्फेमिड दी जाती है और बाद में उसे के स्थान पर और दवाएं (अज़थीप्रिन या मयकोफेनॉलाट) दी जाती है। खून को जमने की क्षमता काम करने वाली दवाएं (एस्पिरिन) भी दिए जा सकते है।